भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 701**

जिसका उत्तर 13 दिसम्बर, 2022/22 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया गया

**सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और अन्य वित्तीय संस्थानों में रिक्तियां**

701. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और अन्य वित्तीय संस्थानों में बैंक-वार, संस्थान-वार और समूह-वार रिक्त पदों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) पिछले पांच वर्षों में विभिन्न पीएसबी और अन्य वित्तीय संस्थानों में बैंक-वार, संस्थान-वार और वर्ष-वार कुल कितनी रिक्तियां भरी गई हैं;

(ग) क्या यह सच है कि पिछले पांच वर्षों में पीएसबी और अन्य वित्तीय संस्थानों में संविदा कर्मियों की संख्या में वृद्धि हुई है; और

(घ) यदि हां, तो विगत पांच वर्षों में पीएसबी में स्थायी और संविदा कर्मचारियों का अलग-अलग वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. भागवत कराड)

**(क) और (ख):** सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) और वित्तीय संस्थाएं (एफआई) बोर्ड अभिशासित वाणिज्यिक संस्थाएं हैं। प्रत्येक पीएसबी और एफआई में श्रमशक्ति की आवश्यकता का निर्धारण संबंधित पीएसबी और एफआई द्वारा कारोबार आवश्यकता, क्रियाकलापों का विस्तार, इत्यादि को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति आवश्यकता के आधार पर पीएसबी और एफआई द्वारा की जाती है।

विगत पांच वर्ष के दौरान, प्रत्येक पीएसबी और एफआई में नियुक्त किए गए व्यक्तियों की संख्या का वर्ष-वार ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ग) और (घ): पीएसबी और एफआई ने यह सूचित किया है कि वे गैर-कोर बैंकिंग गतिविधियों के लिए संविदा कर्मचारियों को काम पर रखे जाने से संबंधित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों के अनुसार, आउटसोर्सड एजेंसियों/संविदा कर्मचारियों की सेवाओं का लाभ लेते हैं। इसके अतिरिक्त, संविदा कर्मचारियों की संख्या साल-दर-साल बदलती रहती है और यहां तक कि एक वर्ष के भीतर भी यह अन्य बातों के साथ-साथ, काम की मात्रा और कार्यनिष्पादन संबंधी अपेक्षाओं जैसे कि व्यवसाय की मात्रा, व्यवसाय में वृद्धि, मौजूदा कर्मचारियों की संख्या, सेवानिवृत्ति, बैंकों/शाखाओं का समामेलन, आदि पर निर्भर करती है।

*****